— Utilising the pure seeds so available for use as "Truthful Label" seeds for planting during the next season in case of straight varities.

The criteria for selection of villages are as under:—

— Villages with productivity lower than overall prodctivity of states.

— Villages having concentration of marginal and tribal farmers, particularly in rainfed areas.

— Farmers of villages intending to accept "Once Variety One Village concept".

कपास के निर्यात पर प्रतिबंध

1082.**श्री कपिल सिब्बल**:

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश से कच्ची रूई का निर्यात करने की तुलना में सूत,कपड़ा या सिले-सिलाए वस्त्र निर्यात करना आर्थिक रूप से अधिक लाभप्रद हो सकता है;

(ख) यदि हां,तो रूई की तुलना में सूत,कपड़े और सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात करने से होने वाली अतिरिक्त कमाई के संबंध में सरकार का क्या आकलन हैं;

(ग) 1995-96,1996-97 और 1997-98 के दौरान देश के कितने-कितने मूल्य की रूई,सूत,कपड़ा और सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात किया गया है;और

(घ) सरकार द्वारा रूई के निर्यात पर प्रतिबंध न लगाए जाने के क्या कारण हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) से (ग) यार्न,फैब्रिक्स,सिले-सिलाए परिधानों जैसे मूल्यवर्द्धित उत्पादों से आमतौर पर कच्चे कपास की तुलना में अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है तथा उनके निर्यात उत्साहित है । विगत तीन वर्षो के दौरान इन उत्पादों से लगभग वसूली निम्नानुसार रिपोर्ट की गई हैं:-

मूल्य करोड़ रू.में

मद	1995-96	1996-97	1997-98 (अनंतिम
कपास	203.54	1574.51	839.93
सूती यार्न	3363.19	5330.17	5865.64
सूती कपड़ा	3415.77	3992.12	4144.27
सूती परिधान	10457.70	12007.13	13082.04

स्रोत :कपास –डी.जी.आई.एण्ड एस.

अन्य – निर्यात संवर्धन परिषदें

(घ) सरकार की नीति एक ओर कपास उपलकर्त्ताओं के हितों को संतुलित करना है ताकि उन्हें उचित पूतिपूर्ति सुनिश्चित हो सके तथा दूसरी ओर हथकरघा बुनकरों सहित कपास उपभोक्ताओं,खासकर विकेन्द्रीकृत क्षेत्रों में जो हैं,के हितों को संतुलित करना है । कपास के निर्यात की,उत्पादन,उपलब्धता,संभावित मांग तथा अनुमानित बेशी तथा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय कीमतों आदि सहित सभी संगत कारकों पर विचार करने के उपरांत ही अनुमति दी जाती है ।

Foreign visits of the Officers of Ministry of Textiles

1083. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state the details of the foreign visits of the officers of his Ministry in the various Seminars, road shows, delegations etc. organised or sponsored or arranged by the National Institute of Fashion Technology during the year 1997-98 and from Ist April 1998 upto 31st October, 1998?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): The details of foreign visits of the officers of Ministry of Textiles sponsored by the National Institute of Fashion Technology (NIFT) during the period April, 1997 to October, 1998 are as follows:—

(i) During the year 1997-98, the then Secretary (Textiles) led the delegation to New York from 24th to 26th November, 1997 (excluding actual travel time) for finalising and signing Memorandum of Understanding (MOU) with